मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 181, मुंबई, शुक्रवार, 25 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

बॉलीवुड में ड्रग्स केस में नए खुलासे

कोविड संकट के बाद पर्यटन के लिए खुलेगा वानखेडे स्टेडियम

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

संवाददाता

मुंबई। बॉलीवुड में ड्रग्स केस में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। ड्रग पैडलर करमजीत से पूछताछ में एनसीबी को बॉलीवुड के ड्रग्स कनेक्शन के कई बड़े क्लू मिले हैं। एनसीबी सूत्रों ने बताया कि करमजीत ने पूछताछ में दावा किया है कि उसने एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के नाम पर 4 बार अलग-अलग जगहों पर ड्रग्स की सप्लाई की। चारों बार कार में ड्रग्स का पैकेट पहुंचाया गया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एनसीबी से पूछताछ में पैडलर का दावा- श्रद्धा कपूर के लिए 4 बार कार में ड्रग्स सप्लाई की थी, सारा को भी 2 बार ड्रग्स कूरियर से भेजी गई

सारा भी गोवा से मुंबई पहुंचीं

सारा अली खान गोवा से मुंबई पहुंच गई हैं। उनके साथ उनकी मां अमृता सिंह भी थीं। सारा और दीपिका शूटिंग के लिए पिछले कुछ दिनों से गोवा में थीं। उधर, एक्ट्रेस रकुलप्रीत और दीपिका की मैनेजर करिश्मा प्रकाश से एनसीबी आज पूछताछ करेगा।

रणवीर सिंह की अर्जी- दीपिका कभी-कभी घबरा जाती हैं, सवाल-जवाब के दौरान मुझे साथ रहने की मंजूरी दी जाए

मराठा आरक्षण

10 अक्टूबर को महाराष्ट्र बंद का अल्टीमेटम

संवाददाता

मुंबई। आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे मराठा समाज के आंदोलनकारियों ने 10 अक्टूबर को महाराष्ट्र बंद का अल्टीमेटम सरकार को दिया है। यह फैसला बुधवार को हुई मराठा समाज की गोलमेज परिषद में लिया गया। मराठा आरक्षण संघर्ष समिति के सुरेश पाटील ने बताया कि राज्य सरकार के पास 9 अक्टूबर तक समय है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अप्रिय समापन

एक असाधारण स्थिति में मानसून सत्र के लिए बैठी संसद से देश की अपेक्षाएं भी असाधारण थीं। लेकिन भीषण महामारी, डांवांडोल अर्थव्यवस्था और सीमा पर तनाव की पृष्ठभूमि में हमारे माननीय सांसद देशवासियों को वैसी एकजुट आश्वस्ति नहीं दे सके, जैसी वे उनसे चाहते थे। निस्संदेह, दोनों सदनों में अहम विधायी कार्यों को निपटाया गया, लेकिन दुर्योग से यह सत्र अपनी विधायी उपलब्धियों से अधिक राज्यसभा के हंगामे और संसदीय मयार्दाओं के उल्लंघन के लिए ही याद किया जाएगा। यह संसद के अब तक के इतिहास में सबसे संक्षिप्त मानसून सत्रों में से एक के तौर पर भी गिना जाएगा। राज्यसभा की 18 बैठकें होनी थीं, मगर 10 बैठकों के बाद ही सत्र को स्थगित करते हुए सभापति वेंकैया नायडू ने कहा कि कोविड-19 की चुनौतियों को देखते हुए यह फैसला लेना पड़ रहा है। इसमें कोई दोराय नहीं कि इस महामारी से दुनिया भर में जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है, और हमारे कई सांसद भी इस वायरस की जद में हैं। पर सत्र की समाप्ति के वक्त सदन की जो स्थिति थी, वह लोकतंत्र के लिए सुखद नहीं कही जा सकती। पिछले 68 वर्षों में हमारी संसद ने दुनिया भर को यह संदेश दिया है कि हम एक परिपक्व लोकतांत्रिक देश हैं और सत्ता व विपक्ष में तमाम नोकझोंक, असहमतियों के बावजूद हमारी संसदीय परंपरा में संवाद के जरिए आगे बढ़ने की पूरी गुंजाइश है। पिछले कुछ वर्षों से यह शक्ति क्षीण पड़ रही है। और इसका सबसे बड़ा प्रमाण यही है कि राज्यसभा का सत्र जिस वक्त स्थगित किया जा रहा था, उस समय उसके आठ सदस्य निलंबित थे और लगभग पूरा विपक्ष सदन से बाहर था। रवायत यह रही है कि सत्र के आखिरी दिन तमाम पार्टियों के सांसद आपसी राजनीतिक टकराहटों को भुलाकर एक खुशनुमा माहौल में अपने-अपने क्षेत्र की ओर कूच कर जाते हैं। मगर इस कसौटी पर यह सत्र खरा न उतर सका। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ने अपनी मुद्राएं नहीं बदलीं और एक अप्रिय मोड़ पर वे एक-दूसरे से विदा हुए। संसदीय लोकतंत्र की खूबसूरती सदनों की खाली सीटों से नहीं बढ़ती, यह बात सत्ता पक्ष को ज्यादा समझने की जरूरत होती है। खासकर संसदीय कार्य मंत्री की कुशलता इसी गतिरोध के दौरान आंकी जाती है। पिछले दो दशकों में ही प्रमोद महाजन, सुषमा स्वराज, गुलाम नबी आजाद आदि ने कई बार इसी हैसियत से अपनी सरकार के लिए विपक्ष का सहयोग हासिल किया था। पर अब संसदीय गतिरोधोंके दौरान यह कमी साफ-साफ महसूस की जा सकती है। हमारा संविधान विशाल है और उसमें लगभग सबकी भूमिका वर्णित है, मगर हमारे माननीयों को यह भी याद करने की जरूरत है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र किसी पवित्र पोथी से अधिक नैतिक विश्वासों, स्थापित परंपराओं और निजी आचरणों से संचालित होते हैं। संसदीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष से कम विपक्ष की जिम्मेदारी नहीं होती। जनहित के मुद्दों को अपने-अपने नजरिये से पेश करने की भी एक मयार्दा है। राज्यसभा में बीते रविवार को जो घटा, उससे बचते हुए भी विपक्ष अपना प्रखर विरोध जता सकता था। मगर उच्च सदन के माननीयों ने इस मायने में निराश किया। दोनों पक्षों को भविष्य में यह ख्याल रखने की जरूरत है कि अधिकारों के अंधेपन में हमारी संसदीय परंपरा का जो कुछ सुंदर है, शुभ है, कोमलतम है, वह न हारे।

कोविड-19 महामारी की वजह से केंद्र और राज्य दोनों पर भारी पड़ रहा है जीएसटी

जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) को लागू हुए तीन साल से अधिक वक्त हो गया है। वन नेशन, वन टैक्स वाला जीएसटी इन दिनों कोरोना की चपेट में आने से केंद्र और राज्य दोनों पर भारी पड़ रहा है। अब तक जीएसटी को लेकर 41 बैठकें हो चुकी हैं और जीएसटी कानून में सैकड़ों संशोधन हो चुके हैं, फिर भी पूरी तरह इसको पटरी पर लाना चुनौती बना हुआ है। जीएसटी को लेकर आने वाले दिनों में सरकार और विपक्ष में रार की संभावना साफ दिखती है। गौरतलब है कि पिछले माह 27 अगस्त को जीएसटी काउंसिल की 41वीं बैठक हुई थी, जिसमें राज्यों को जीएसटी क्षतिर्पूति के मुद्दे समेत कई उत्पादों पर जीएसटी की नई दरों में संशोधन को लेकर चर्चा हुई। हालांकि 42वीं बैठक 19 सितंबर को होनी थी, जो अब पांच अक्टूबर को होगी। ऐसा मानसून सत्र के चलते हुआ है। कोविड-19 के कारण मौजूदा वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह को काफी नुकसान हुआ है। जाहिर है कि पहले से ही राज्यों की क्षतिर्पूति के मामले में परेशान केंद्र की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

एक जुलाई, 2017 को जीएसटी इस वायदे के साथ आया था कि 2022 तक राज्यों के घाटे को पाटने का वह काम करेगा। इन दिनों केंद्र और राज्य वित्तीय मामले में बैकफुट पर हैं और जीएसटी संग्रह तुलनात्मक रूप से न्यून स्तर पर चला गया है। जिसे देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों के सामने दो विकल्प रखे हैं, जिसमें एक आसान शर्तों पर आरबीआइ से क्षतिर्पूति के बराबर कर्ज लेना, जबकि दूसरे विकल्प में जीएसटी बकाए की पूरी राशि अर्थात 2.35 लाख करोड़ रुपये बाजार से बातौर राज्य कर्ज ले सकते हैं। जो राज्य इन विकल्पों में नहीं जाते हैं, उन्हें भरपाई के लिए जून 2022 तक इंतजार करना पड़ सकता है।

जाहिर है कि ये दोनों शर्तें राज्यों के सामने किसी चुनौती से कम नहीं हैं। केंद्र सरकार कभी नहीं सोची होगी कि गॉड ऑफ एक्ट का भी ऐसा कोई दौर आएगा, जब वह अपने तीन साल पुराने वायदे पर खरी नहीं उतर पाएगी। फिलहाल जीएसटी क्षतिर्पूति के मुद्दे पर 21 राज्यों ने पहले वाले विकल्प को चुना है। सभी राज्य संयुक्त तौर पर करीब 97 हजार करोड़ रुपये आरबीआइ से कर्ज लेंगे। जिसमें भाजपा शासित राज्यों के अलावा गैर भाजपा शासित राज्य आंध्र प्रदेश और ओडिशा भी शामिल हैं, लेकिन झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, बंगाल, तेलंगाना सहित तमिलनाडु और राजस्थान ने अभी तक केंद्र से यह नहीं कहा है कि वे क्या करेंगे। जाहिर है कि इन राज्यों के सामने एक नए किस्म का वित्तीय संकट न केवल खड़ा होगा, बल्कि लंबे समय तक केंद्र से पैसा न मिलने के कारण इनके विकास कार्य भी प्रभावित होंगे। भारतीय संविधान के भाग-12 में केंद्र-राज्य के वित्तीय संबंधों की चर्चा है और इसे लेकर दोनों के बीच तकरार भी होती रही है। जीएसटी के मापदंडों को यदि और गहराई से समझें तो सरकार ने एक साल में 13 लाख करोड़ रुपये इससे जुटाने का लक्ष्य रखा था, जो अब तक तीन वर्षों में कभी पूरा नहीं हुआ है। वर्ष 2017-18 में केवल एक बार ही ऐसा हुआ जब जीएसटी का संग्रह एक लाख करोड़ रुपये के पार गया था। वित्त वर्ष 2018-19 में ऐसा चार बार हुआ था और 2019-2020 में पांच बार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर संग्रह हुआ था। अब 2020-21 का वित्त वर्ष कोरोना की चपेट में है और जीएसटी संग्रह के आंकड़े जमीन पर गिरे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि अप्रत्यक्ष कर के मामले में स्थिति किस कदर बिगड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए जीएसटी उनकी महत्वाकांक्षी योजनाओं में एक है, मगर विकास दर इन दिनों सबसे बेहतर कृषि से मिल रही है और देश की विकास दर ऋणात्मक 23 तक गिर चुकी है। दुविधा यह है कि पैसों के अभाव में समस्याओं का निदान कैसे होगा? बहुत संभव है कि आयकर में भी आने वाले दिनों में गिरावट दिखे। टैक्स की वसूली बढ़ाने के लिए सरकार के पास अभी कोई खास एजेंडा नहीं दिख रहा है। ऐसा कोरोना से बढ़ी बेकारी के कारण भी हो सकता है। वर्षों पहले टैक्स की वसूली बढ़ाने के मामले में सरकार आए दिन नए रास्ते खोजती थी, पर अब राज्यों को क्षतिर्पूति न दे पाने की स्थिति में कर्ज का रास्ता सुझा रही है। आरंभ में सरकार ने जीएसटी देने वालों की चार श्रेणियां बनाई थी, जिन्हें उदासीन, अवरोधी, उद्यमी और समर्थक के रूप में पहचान किया गया था। मौजूदा स्थिति को देखकर तो लगता है कि टैक्स देने वाले उदासीन तो नहीं, लेकिन कोरोना के अवरोध में जकड़ लिए गए हैं। इंग्लैंड के दार्शनिक जेरेमी बेंथम ने स्ट्रिक एवं केरेट सिद्धांत दिया था, जिसमें एक का अर्थ सख्त तरीका है तो दूसरे का पुचकारना। कोरोना ने जिस प्रकार विकास का नाश किया है, आमदनी को खत्म किया है, कारोबार को नष्ट किया है, बेरोजगारी को बढ़ाया है उसे देखते हुए कर संग्रह बढ़ाने के लिए सरकार न तो बहुत सख्त कदम उठा पा रही है और न ही बहुत पुचकार पा रही है। कह सकते हैं कि वह समस्या से उबरने की कोशिश कर रही है, लेकिन कब उबरेगी कहना मुश्किल है और कोरोना कब जाएगा, इसका भी कोई अंदाजा नहीं। फिलहाल केंद्र और राज्य सरकारें वित्तीय कठिनाइयों से जूझ रही हैं, लेकिन इन दोनों के बीच देश के नागरिक भी पिस रहे हैं।

महामारी के बीच पढ़ाई को लेकर किए गए ये अनूठे प्रयोग बनें हैं भविष्य में उम्मीद की नई किरण

बीते करीब छह माह से देश-दुनिया में बहुत सी गतिविधियां ठप हैं। शिक्षण कार्यों पर व्यापक रूप से इसका असर पड़ा है। शिक्षाद्गथियों का बहुत नुकसान हुआ है। ऑनलाइन पठन-पाठन के कुछ सक्रिय प्रयासों के अलावा शैक्षिक संस्थानों की कोई विशेष उपलब्धि नहीं रही। कक्षीय अधिगम संबंधी क्रियाकलापों को लेकर भी संबंधित संस्थानों और तंत्र में कोई एकनिष्ठ अनुप्रयोग नहीं दिखा। नीतिगत तैयारियों में खामियां और तकनीकी गैर सुलभता के चलते अधिकांश छात्र ऑनलाइन शिक्षा तक अपनी पहुंच नहीं बना सके। समग्र रूप में कहें तो कोरोना संकट ने समानुपातिक रूप से शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्र के छात्रों को नुकसान पहुंचाया है। लेकिन इससे इतर इस दौरान देश में कुछ ऐसे अनूठे प्रयास होते रहे, जिसने शिक्षा की परिभाषा और मायने दोनों ही बदल दिए। महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर शिक्षकों द्वारा एक ऐसा ही अभिनव प्रयोग किया गया, जहां स्कूल की दीवारों पर पाठ्य आधारित बुनियादी सबक उकेरकर बच्चों को पढ़ाया गया। इस सकारात्मक प्रयास ने कई अन्य ग्राम-पंचायतों को भी प्रेरित किया। एक और बानगी देखने को मिली हरियाणा के बेगमपुर में, जहां स्थानीय शिक्षादूतों की तैनाती के जरिये सर्वसुलभ शिक्षा की पैरोकारी की गई। इलाके के युवाओं के समग्र प्रयास और स्वैच्छिक योगदान से पटरी से उतरी शिक्षा को पुनर्जीवित किया गया। जिले के शिक्षाधिकारियों की सहभागिता से ये युवा शिक्षादूत पांच बच्चों के समूहों को बगीचों और सामुदायिक भवनों में ज्ञान का अमृत बांट रहे हैं। ये प्रयोग यहीं नहीं रुके। कहीं माइक और लाउडस्पीकर का सहारा लिया गया, तो कहीं खुली दीवारों को ही ब्लैक बोर्ड में तब्दील कर दिया गया। देशभर में ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले, जिसने विपरीत परिस्थिति में भी आशा की किरण जलाए रखी। कहना न होगा कि अपने दत्तचित्त प्रयासों द्वारा शिक्षकों ने ग्रामीण इलाकों में शिक्षा के नवीन प्रायोगिक माध्यमों से ज्ञान की निरंतरता को बनाए रख अपनी कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया। ऑनलाइन शिक्षा से वंचित छात्रों तक ज्ञान की रोशनी पहुंचाने में ऐसे अभियानों से बड़ी मदद मिली। ऐसे प्रायोगिक शैक्षिक विकल्पों से सामुदायिक शैक्षिक भावना का विकास हुआ और लोगों में नए प्रयोगों को लेकर जनजागृति आई। शिक्षा जगत में, ऐसे प्रयोगों के सुसंगत विस्तार की मांग अब उठने लगी है। भारत जैसे विशाल भूभाग वाले देश में अनौपचारिक माध्यमों की भारी जनस्वीकार्यता शुभ संकेतक है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने पत्नी आलिया को अरबी भाषा में लिखा खुलानामा भिजवाया

...कहा- दोनों की शादी कभी हुई ही नहीं थी

मुंबई। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के खिलाफ उनकी पत्नी आलिया उर्फ अंजना किशोर पांडे ने बुधवार को मुंबई के वर्सोवा थाने में यौन दुराचार की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। अब आलिया ने नवाज पर एक नया आरोप लगाया है। जिसके मुताबिक नवाज ने उन्हें अरबी भाषा में लिखा एक खुलानामा भेजा है, जो कि दस साल पहले का है और उसमें लिखा है कि नवाज ने कभी आलिया से शादी की ही नहीं थी। आलिया की टीम ने इस बारे में बताया, नवाज के

साथ आलिया का लंबे समय से डिवोर्स का केस चल रहा है। नवाज के भाई शमास के खिलाफ भी आलिया ने मोलेस्टेशन की शिकायत दर्ज कराई है। जिसके बाद से ही वो भी अंडरग्राउंड चल रहे हैं। आगे उन्होंने बताया, नवाज के साथ आलिया का लंबे समय से डिवोर्स का केस चल रहा है। वहीं हाल ही में उनकी तरफ से एक ऑफिशियल खुलानामा आया है। जो कि अरबी भाषा में लिखा है और वो दस साल पुराना बताया जा रहा है। उसमें यह कहा गया है कि आलिया पिछले दस सालों से कभी नवाज के साथ शादीशुदा थी ही नहीं।

हलफनामे के बाद आलिया ने रेप की शिकायत की

इस खुलानामे के मिलने के बाद आलिया ने वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई कि अगर दस साल से नवाज शादीशुदा नहीं थे तब तो यह रेप का केस है। चीटिंग का मामला है। जिसके बाद इस आशय की शिकायत बुधवार को फाइल कर दी गई थी।

एफआईआर लिखने में पुलिस लगा रही वक्त

प्रवक्ता ने आगे बताया, पुलिस इस शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने में टाइम लगा रही है। नवाज का नाम होने के चलते पुलिस अपनी लीगल टीम से सलाह-मशविरा कर रही है। पुलिस अगर इसमें ज्यादा वक्त लेगी तो आलिया कोर्ट में रिट फाइल कर एफआईआर दर्ज करवाएगी।

अभिनेता भूपेश पांड्या का फेफड़ों के कैंसर से निधन

मुंबई। विक्की डोनर और 'परमाणुः द स्टोरी ऑफ पोकरण' जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय के लिए आलोचकों की भी सराहना बटोरने वाले अभिनेता भूपेश पांड्या का निधन हो गया। उनकी आयु 45 के करीब थी। अभिनेता एवं पांड्या के सहयोगी राजेश तैलंग ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी)

से स्नातक पांड्या फेफड़े के कैंसर से पीड़ित थे, गुजरात के अहमदाबाद के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और इलाज के लिए उन्हें आर्थिक मदद की जरूरत थी। एनएसडी में पांड्या के वरिष्ठ रह चुके तैलंग ने बताया कि कुछ साथियों ने अभिनेता की आर्थिक मदद के लिए ऑनलाइन चंदा करके 20 लाख रुपए जुटाए थे लेकिन पांड्या की बुधवार को मौत हो गई। उन्होंने कहा, वह एनएसडी में मेरा कनिष्ठ था और हमने एक साथ बहुत काम किया। जब मुझे उसकी सेहत और इलाज में आने वाले खर्च के बारे में पता चला तो मैंने इसे लोगों के साथ साझा करने का सोचा। तैलंग ने कहा, चंदा एकत्र करने की साइट कीटो के जरिए करीब 21 से 22 लाख रुपए इकट्ठा हो गए और कुछ लोगों ने सीधे उनकी पत्नी के खाते में पैसे डाले, लेकिन यह दुखद है कि गुजरात के अपोलो अस्पताल में कल उनका निधन हो गया।

कोविड संकट के बाद पर्यटन के लिए खुलेगा वानखेडे स्टेडियम

संवाददाता

मुंबई। क्रिकेट के फैंस के दिलों में अपनी एक खास जगह रखने वाले मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आने वाले समय में लोगों को एंट्री मिल सकती है, लेकिन इस बार वजह कोई क्रिकेट मैच का आयोजन नहीं होगी। देश और दुनियाभर से मुंबई घूमने आने वाले पर्यटक मुंबई के अन्य दर्शनीय स्थलों के अलावा वानखेड़े स्टेडियम भी देख सके, इसके लिए महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्रालय ने मुंबई क्रिकेट असोसिएशन (एमसीए) से आग्रह किया था कि इस स्टेडियम को पर्यटकों और फैंस के लिए खोला जाए। गौरतलब है कि वानखेड़े स्टेडियम में ही 2011 में भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेलते हुए श्रीलंका को हराकर 28 साल बाद वनडे फॉर्मेट में वर्ल्ड कप जीता था।

मंगलवार की दोपहर को राज्य के पर्यटन और पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने कई ट्वीट किए। पहले ट्वीट में उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय ने मुंबई क्रिकेट असोसिएशन से आग्रह किया है कि वे स्टेडियम एक्सपीरियंस टूर के लिए वानखेड़े स्टेडियम को पर्यटकों और क्रिकेट फैंस के लिए खोल दे। असोसिएशन ने इस पर सैद्धांतिक तौर पर अपनी मंजूरी दे दी है। उन्होंने अगले ट्वीट में लिखा, मैंने मुंबई में क्रिकेट संग्रहालय की स्थापना के लिए शरद पवार सर और एमसीए के प्रेजिडेंट विजय पाटील जी से भी चर्चा की है। वानखेड़े स्टेडियम या किसी अन्य जगह पर इसे बनाने के लिए असोसिएशन तैयार हो गया है। तीसरे ट्वीट में आदित्य ठाकरे ने लिखा कि इस अहम साझेदारी के लिए मैं एमसीए की एपेक्स कमिटी का शुक्रगुजार हूं। हममें से ज्यादातर लोगों के लिए क्रिकेट एक धर्म है। वानखेड़े वो जगह है, जहां भारत ने वर्ल्ड कप जीता था। यह स्थान केवल पर्यटकों के लिए नहीं, बल्कि क्रिकेट के भक्तों और उनके पसंदीदा खिलाड़ियों के लिए भी होना चाहिए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बॉलीवुड में ड्रग्स केस में नए खुलासे

हालांकि, यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई है कि कार में ड्रग्स का पैकेट श्रद्धा ने ही रिसीव किया था या उनसे जुड़े किसी और कर्मचारी ने पैकेट लिया था। एनसीबी 26 सितंबर को श्रद्धा से पूछताछ करेगी। बुधवार को उनके घर जाकर एनसीबी के लोगों ने उन्हें समन दिया है। मामले की जांच कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) रिया और शोविक चक्रवर्ती समेत 20 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनसे पूछताछ के बाद करीब 50 से ज्यादा बॉलीवुड, टीवी और फैशन की दुनिया से जुड़े लोग एनसीबी की रडार पर हैं। ड्रग पैडलर करमजीत ने पूछताछ में एनसीबी को कई बड़े क्लू मिले हैं। एनसीबी ने करमजीत को 14 सितंबर को मुंबई से गिरफ्तार किया था। इसकी एक मर्सडीज कार भी जब्त की थी। इसी कार में यह ड्रग्स लेकर वह चलता था और कस्टमर तक सप्लाई करता था। बॉलीवुड में इसे केजे नाम से जाना जाता है। करमजीत ने यह भी दावा किया कि गाड़ियों में ही ड्रग्स की डिलीवरी होती थी। कई बार पैसे नकद में और कई बार किसी दूसरे के अकाउंट से उसके खाते में ट्रांसफर होते थे। बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री से जुड़े 6 से 7 सेलेब्रिटीज क्लाइंट होने का दावा भी किया है। इनमें से कुछ को एनसीबी समन कर चुकी है जबकि कुछ को जल्द पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। एनसीबी को इस बात के सबूत मिले हैं कि करमजीत ने इन्हें वीड, कोकेन, एमडीएमए और सीबीडी ऑइल सप्लाई किया था। एनसीबी सूत्रों के मुताबिक, करमजीत ने यह भी दावा किया है कि सारा अली खान तक दो बार ड्रग्स पहुंचाने के लिए उसने कुरियर का सहारा लिया गया है। हालांकि, सारा की तरफ से इस बारे में अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। फिलहाल, करमजीत के बयानों की क्रॉस वेरिफिकेशन के लिए एनसीबी ने सारा अली खान को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। वह गोवा से मुंबई पहुंच चुकी हैं। जांच एजेंसी को करमजीत ने यह भी बताया कि रिया और सुशांत की मैनेजर जया साहा अक्सर ड्रग्स मंगवाती थी। इससे यह स्पष्ट है कि जया ड्रग्स मंगाकर किसी और को दे रही थीं।

मराठा आरक्षण

सरकार बताए कि मराठा समाज के लिए घोषित योजनाओं को कैसे लागू किया जाएगा और मराठा समाज की मांगों को कैसे पूरा किया जाएगा। इसके बाद हमें सरकार का आश्वासन संतोषजनक लगेगा, तो हम महाराष्ट्र बंद को वापस ले लेंगे। गोलमेज परिषद में मराठा आरक्षण पर लगी रोक को हटाने समेत समाज की विभिन्न मांगों को लेकर 15 प्रस्ताव मंजूर किए गए।

कृषि विधेयकों के विरोध में पंजाब में 'रेल रोको' आंदोलन शुरू

चंडीगढ़। पंजाब में किसानों ने कृषि विधेयकों के खिलाफ आज से तीन दिवसीय 'रेल रोको' आंदोलन शुरू किया। इसके मद्देनजर किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए रेलवे ने कई ट्रेनों का परिचालन रोक दिया है। रेल अधिकारियों ने बताया कि 14 जोड़ी विशेष ट्रेनें 24 सितंबर से 26 सितंबर तक निर्लबित रहेंगी। उन्होंने बताया कि यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति को किसी भी तरह के नुकसान से बचाने को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कई मालगाड़ी और पार्सल ट्रेनों का भी समय बदला गया है। मौजूदा समय में कोविड-19 महामारी की वजह से नियमित यात्री ट्रेनें पहले से ही निर्लबित हैं। रेल रोको आंदोलन का आह्वान किसान मजदूर संघर्ष समिति ने किया और बाद में अलग-अलग किसान संगठनों ने भी इसे अपना समर्थन दिया। भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्रहण) के कार्यकर्ता बरनाला और संगरूर में बृहस्पतिवार सुबह रेल पटरियों पर बैठ गए। किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले किसानों ने अमृतसर के देवीदासपुर और फिरोजपुर के बस्ती टांका वाला में रेल पटरियों पर बैठने का निर्णय लिया है। समिति के प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्हें सरकारी कर्मचारियों और श्रमिकों समेत विभिन्न तबकों से समर्थन मिल रहा है। समिति के अध्यक्ष सतनाम सिंह पन्नू ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों, मंत्रियों, सांसदों और विधायकों से अपील की है कि वे किसानों के प्रदर्शन में हिस्सा न लें। कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेताओं और उन लोगों का सामाजिक बहिष्कार करने का संकल्प लिया है, जिन्होंने इन विधेयकों के समर्थन में मतदान किया। कुल 31 किसान संगठनों ने कृषि विधेयकों के खिलाफ 25 सितंबर को पंजाब में पूर्ण बंद का आह्वान किया है। पंजाब में किसानों ने आशंका व्यक्त की है कि इन विधेयकों के जरिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) खत्म करने का रास्ता साफ हो जाएगा और वे बड़े पूंजीपतियों की 'दया' पर निर्भर हो जाएंगे। संसद ने आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 तथा कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन एवं कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 को पारित कर दिया है। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद ये विधेयक कानून का रूप लेंगे।

ये ट्रेनें हुई प्रभावितः अधिकारियों ने बताया कि गोल्डेन टेम्पल मेल (अमृतसर-मुंबई सेंट्रल), जन शताब्दी एक्सप्रेस (हरिद्वार-अमृतसर), नयी दिल्ली-जम्मू तवी, कर्मभूमि (अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी), सचखंड एक्सप्रेस (नांदेड़-अमृतसर) और शहीद एक्सप्रेस (अमृतसर-जयनगर) निर्लबित ट्रेनों की सूची में शामिल हैं। इस बीच, रेल अधिकारियों ने कहा कि नांदेड़-अमृतसर ट्रेन पुरानी दिल्ली में ही अपनी यात्रा समाप्त करेगी। वहीं, 25 और 26 सितंबर को 02716 संख्या वाली ट्रेन अमृतसर के बदले पुरानी दिल्ली से रवाना होगी। धनबाद-फिरोजपुर कैंट ट्रेन फिरोजपुर कैंट नहीं जाएगी बल्कि वह अपनी यात्रा अम्बाला कैंट में ही समाप्त करेगी। वहीं, 03308 संख्या वाली ट्रेन 24 से 26 सितंबर के बीच फिरोजपुर कैंट के बदले अम्बाला कैंट से रवाना होगी। वहीं 24 सितंबर को पहुंच रही मुंबई सेंट्रल-अमृतसर ट्रेन को लुधियाना लाया जाएगा और यह 25 से 26 सितंबर के बीच यह अपनी यात्रा अम्बाला में ही खत्म करेगी। ट्रेन संख्या 02904 अमृतसर के बदले 24 से 26 सितंबर के बीच अम्बाला से रवाना होगी। दिल्ली में रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कृषि विधेयकों को लेकर पंजाब में चल रहे 'रेल रोको' आंदोलन से खाद्यान्नों तथा अन्य आवश्यक सामग्रियों की ढुलाई के साथ-साथ विशेष ट्रेनों के जरिये यात्रियों की आवाजाही पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

पेटीएम ने साधा निशाना, कहा कंपनियों को भारत में सेकेंडरी लिस्टिंग के लिए मजबूर करने से सजा जैसा कदम होगा

मुंबई। पेटीएम के एक अधिकारी ने सरकार पर निशाना साधा है। इस अधिकारी के मुताबिक अगर भारतीय कंपनियों को सेकेंडरी बाजार में लिस्टिंग करने के लिए मजबूर करना सजा जैसा कदम होगा। अधिकारी ने कहा कि अगर कंपनियां विदेशी बाजारों में पहले लिस्ट का विकल्प चुनती हैं तो उन्हें भारत में सेकेंडरी लिस्टिंग के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। फिनटेक कंपनी पेटीएम के प्रेसीडेंट मधुर देवड़ा ने एक एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत की यह योजना है कि जो कंपनी विदेशों के शेयर बाजार में पहले लिस्ट होगी, उसे भारत में सेकेंडरी बाजार में भी लिस्ट होना होगा। उनका कहना है कि कंपनियों को जहां चाहें लिस्टिंग करने की अनुमति दी जानी चाहिए। सॉफ्टबैंक समर्थित पेटीएम के मधुर देवड़ा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह सिर्फ कंपनियों के लिए नहीं,

बल्कि डिजिटल इकोसिस्टम के लिए भी अच्छा होगा। देवड़ा ने यह बात तब कही है, जब भारत फोर्जिंग नियमों पर काम कर रहा है। इससे भारतीय स्टार्टअप्स के लिए विदेशों में लिस्टिंग करने और बड़ी पूंजी तक पहुंचने के लिए दरवाजे खुलेंगे। इस महीने की शुरूआत में ही बताया गया था कि सरकार किसी भी भारतीय कंपनी के लिए देश में सेकंडरी लिस्टिंग को अनिवार्य करने पर भी विचार कर रही है। यह उनके लिए होगा जो विदेश में पहले लिस्ट होने का विकल्प चुनती हैं।

निवेशकों को है डर

देवड़ा ने कहा कि यह एक ऐसा कदम है जिससे निवेशकों को डर है कि इससे मूल्यांकन को बड़ा नुकसान होगा। देवड़ा ने कहा कि मेरा फैसला होता तो यह फैसला मैं कंपनियों और उनके बोर्ड पर छोड़ देना पसंद करता। यह विचार हमारे जीवन को और जटिल बना देगा। देवड़ा ने कहा कि डिजिटल पेमेंट्स स्पेस में पेटीएम के खिलाफ होड़ करने वाली गूगल जैसी कंपनियों की ऐसी कोई बाध्यता नहीं है।

अश्लील बेब सीरीज निर्माताओं को करणी सेना की खुली चुनौती

फिल्म पद्मावत के निर्देशक संजय लीला भंसाली का हस्र भूल न भूले अश्लील फिल्म निर्माता

संवाददाता

मुंबई। समाज में जिस प्रकार अश्लीलता फैल रही है। हमारी युवा पीढ़ी अश्लीलता के दलदल में पूरी तरह डूबती जा रही हैं। करणी सेना के मुंबई प्रवक्ता इंद्रदेव पांडेय ने करणी सेना की तरफ से ये इशारा किया है कि अब मुंबई में अश्लील वेब सीरीज की शूटिंग नहीं होने देंगे। वेब सीरीज निर्माताओं को करणी सेना ने खुली चुनौती दी है कि अश्लील वेब सीरीज निर्माता अगर अश्लील वेब सीरीज निर्माण बंद नहीं किए तो करणी सेना अपने स्टाईल में जबाब देगी। अगर फिल्म निर्माता फिल्म पद्मावत के निर्देशक संजय लीला भंसाली का हस्र भूल गए है तो याद कर ले अश्लील वेब सीरीज निर्माताओं के साथ भी करणी सेना वही करेंगी।

भारत-चीन विवाद सुलझाने की कोशिश

विदेश मंत्रालय ने कहा- लद्दाख में दोनों ओर से डिसएंगेजमेंट की कोशिश जारी

संवाददाता

नई दिल्ली। लद्दाख में चीन के साथ चल रहे विवाद पर कमांडर लेवल की बातचीत में दोनों पक्षों ने एलएसी पर डिसएंगेजमेंट में दिलचस्पी दिखाई है। छठे स्टेज की बातचीत में दोनों देशों के सीनियर कमांडर्स को अपनी बातों को गहराई से रखने और दूसरे पक्षों को समझने का मौका मिला है। मौजूदा स्थिति में किसी भी तरह का बदलाव रोकने की कोशिश जारी है। यह तय करना जरूरी है कि वहां जमीनी स्तर पर स्थिरता कायम रहे। दोनों ओर से सभी तनाव वाले इलाकों में डिसएंगेजमेंट के लिए काम किया जा रहा है, लेकिन ऐसा करना मुश्किल है। इसमें दोनों ओर से सेना की टुकड़ियों को फॉरवर्ड लोकेशन्स से नियमित पोस्ट पर भेजना होता है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को यह बात कही। लद्दाख सीमा पर तनाव के बीच भारत-चीन के कॉर्प्स कमांडर की छठी मीटिंग 22 सितंबर को हुई थी। चीन की तरफ चुशूल सेक्टर के मोल्डो में यह बातचीत हुई थी। सूत्रों के मुताबिक मीटिंग में विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी भी शामिल हुए थे। यह पहला मौका था जब कॉर्प्स कमांडर लेवल की मीटिंग में कोई डिप्लोमेट शामिल हुआ था। भारत-चीन के बीच कॉर्प्स कमांडर के बीच पिछली मीटिंग करीब एक महीने पहले हुई थी। इसके अलावा ग्राउंड कमांडर स्तर की बातचीत करीब-करीब हर रोज हो रही है।

बातचीत के बावजूद चीनी की घुसपैठ की कोशिशें जारी

बातचीत के बावजूद चीन पूर्वी लद्दाख में बार-बार घुसपैठ की कोशिश कर रहा है। 29-30 अगस्त की रात पैंगॉन्ग झील इलाके के दक्षिणी छोर की पहाड़ी पर चीन ने कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय जवानों ने नाकाम कर दी। इसके बाद चीन ने 2 बार फिर ऐसी ही कार्रवाई की। 29 अगस्त से लेकर 8 सितंबर तक दोनों तरफ से 3 बार हवा में गोलियां भी चली थीं।

पत्रकारों को कोरोना योद्धा घोषित करे सरकार

संवाददाता
सैय्यद अल्ताफ हुसैन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से चर्चा करके पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर मजबूत कानून बनाने की बात कही।उन्होंने वर्किंग जर्नलिस्ट आफ इंडिया के प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिया कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकारों को पत्र लिखेंगे।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह भरोसा अपने दफ्तर में वर्किंग जॉर्नलिस्ट ऑफ इंडिया संबंधित भारतीय मजदूर संघ के उच्च प्रतिनिधि मंडल को दिया। प्रतिनिधि मंडल ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार के गृह राज मंत्री नित्यानंद राय को ज्ञापन दिया। इस प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप चौधरी, माह सचिव नरेंद्र भंडारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय उपाध्याय और विजय तोगा थे। ज्ञापन का मुख्य विषय देश मे 'पत्रकार सुरक्षा कानून' लागू करवाने, मीडिया को संविधान में लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ घोषित करवाने व मीडियाकर्मियों को भी कोरोना योद्धा घोषित करने की मांगें प्रमुख थीं। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया संबंध भारतीय मजदूर संघ, देश के पत्रकारों का शीर्ष संगठन है। हाल ही में देश में पत्रकारों की हत्याएं एवम अन्य अपराधिक घटनाओं में काफी बढ़ोतरी हुई है। बलिया में रतन सिंह हत्याकांड, गाजियाबाद में विक्रम जोशी हत्याकांड, मध्यप्रदेश में सुनील तिवारी हत्याकांड, उत्तरप्रदेश में शुभम मणि त्रिपाठी हत्याकांड, दंतेवाड़ा में अचुत्यानंद साहू हत्याकांड, कश्मीर में शुजात बुखारी हत्याकांड इत्यादि कई घटनाएं हाल के दिनों में घटित हुईं है। इस तरह की घटनाओं को लेकर यूनियन ने देशभर के पत्रकारों के बीच एक ऑनलाइन सर्वे भी करवाया। पत्रकारों ने इस

सर्वे में भाग लिया और खुलकर अपनी राय जाहिर की है। सर्वे में ज्यादातर पत्रकारों की राय रही कि केंद्र सरकार देश मे पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करे व संविधान में मीडिया को लोकतंत्र का चौथा खंभा घोषित करे । जहाँ तक देश मे मीडियाकर्मियों की असुरक्षा का सवाल है, तो उसपर सर्वे में पत्रकार बटे दिखाई दिए । पत्रकारों का ये कहना है कि कई हत्याए, सिर्फ खबरों के प्रकाशन के लिये ही नही हुई है। विश्व के कई संगठन, पत्रकारों की स्तिथि व हालातो पर सर्वे करके रिपोर्ट जाहिर करते रहते है। विश्व के एक संगठन सीपीजे की सूची में भारत 11 बार आ चुका है। 2017 में भारत 12 वे स्थान पर था। 2016 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने पत्रकारों के लिये, सबसे खतरनाक देशो में भारत को आठवें नंबर पर रखा है। यूनियन का मानना है कि देश मे कलम की आजादी होनी चाहिये। यदि कोई भी उस आजादी पर हमला करता है, तो सरकार को उसके खिलाफ कड़े कदम उठाने चाहिये। हमारे देश मे सबसे पहले एक राज्य महाराष्ट्र ने वर्ष 2017 में, 'पत्रकार एवं पत्रकारिता संस्थान अधिनियम 2017' पारित किया। इस तरह से इस राज्य, ने सबसे पहले पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर एक बिल पारित किया। इसके बाद छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश राज्य ने भी पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर एक बिल पारित करने का फैसला विचाराधीन है। यूनियन का ये मानना है कि इस मामले में केंद्र सरकार को कोई अहम फैसला लेकर संसद में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर एक बिल पारित करना चाहिये और पत्रकारों को पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए। कोरोना काल मे उत्तराखंड व उत्तरप्रदेश में पत्रकारों के खिलाफ कई फर्जी मुकदमे दायर किये गए है। अगर कोई पत्रकार, राज्य सरकार की किसी भी कमी को खबर के जरिये उजागर करता है, तो उसके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर दिए जाते है। यूनियन ने यह भी मांग कि की मीडिया को संविधान में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ का दर्जा दिया जाए। देश मे लोकतंत्र को मजबूत रखना है, तो सबसे पहले मीडिया को मजबूत करना होगा। सारे देश मे कोरोना वायरस की महामारी फैली हुई है। इस महामारी से रोजाना करीब एक हजार, नागरिको की मृत्यु हो रही है।

लेकिन इस महामारी व संभावित मृत्यु से बेखौफ, हमारे मीडियाकर्मी साथी दिनरात अपने कार्यो व जिम्मेदारियों को अंजाम दे रहे है। मीडियाकर्मी, जहाँ सरकारी कमियों को उजागर कर रहे है, वही सरकारी योजनाओं को भी आम लोगो तक पहुंचा रहे है। इन सब कार्यो को अंजाम देते हुए, हमारे दर्जनों साथी कोरोना वायरस का शिकार होकर शहीद हो गए है। हमलोग लगातार सरकार से मांग कर रहे है कि मीडियाकर्मियों को भी 'कोरोना योद्धा' घोषित किया जाए, ताकि यदि कोई भी मीडियाकर्मी, इस महामारी का शिकार होकर, शहीद होता है, तो उसके परिवार के सदस्यों को वे सभी सुविधाएं मिल सके, जो अन्य कोरोना योद्धाओं के परिवार वालो को मिल रही है।

बुलढाणा हलचल

स्वाभिमानी शेतकरी संघटना का अनोखा आंदोलन

किसानों को मुआवजा तुरंत दिया जाये

बुलढाणा। भारी बारिश के कारण जिले में फसल क्षति के लिए किसानों को तुरंत मुआवजा दिया जाना चाहिए। इस मांग के लिए स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के नेता रविकांत तुपकर इनके नेतृत्व मे मोताळा तालुका के परडा गांव के एक खेत में खुद को गर्दन तक गाडकर कर आत्मक्लेष आंदोलन शुरू किया। जब तक किसानों के मुआवजे का मसला हल नही होता। तब तक इस आंदोलन को जारी रखने की चेतावनी रविकांत तुपकर ने दी है। इस वर्ष भारी बारिश के कारण किसानों ने मक्का, सोयाबीन, मग, उड़द और कपास की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। लेकिन वास्तव में, कोई पंचनामा नहीं किया गया। क्षति की अंतिम रिपोर्ट

अभी तक प्रस्तुत नहीं की गई है। किसान मेटाकूटी आया है। लेकिन उसे कोई भी मदद नही दी गई। इसलिए, प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 25,000 रुपये दिए जाने चाहिए। ये आंदोलन की शुरूआत 23 को प्रमुख मांगों के साथ की मोताळा तालुका के परडा शिवारा में रविकांत तुपकर अपने कार्यकर्ताओं के साथ एक खेत मे गर्दन तक जमीन मे खुद को गाडकर के आनोखा आंदोलन शुरू किया है। उनके साथ स्वाभीमानी शेतकरी संघटना के सय्यद वसीम, शेख रफीक शेख करीम और दत्ता पाटील ईस आंदोलन मे शामिल है। जिले में पिछले दो दिनों में हुई भारी बारिश ने 221 गांवों में 10,000 हेक्टेयर से अधिक फसलों को नुकसान पहुंचाया है। लेकीन पंचनामा अभी तक शुरू नहीं किया गया है।खेत की फसलों के साथ-साथ जमीन को भी नुकसान पहुचा है। इसलिए किसान मुश्किल में है। पिछले साल भारी बारिश से खरीफ और रबी की फसलें भी प्रभावित हुई थीं। इसलिए, पिछले साल के दोनों सीजन हाथ से गए हैं इस साल भी खरीफ का सीजन खत्म हो गया है। रविकांत तुपकर ने किसानों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। स्वाभिमानी के इस आक्रामक आंदोलन की पृष्ठभूमि में, तहसीलदार वी. एस कुमरे और बोरखेड़ी के थानेदार आंदोलन स्थल पर पहुंच कर और स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के नेता रविकांत तुपकर के साथ चर्चा की हैं।

रामपुर हलचल

लालपुर पुल के पुनः शिलान्यास को लेकर क्षेत्रीय जनता के साथ धोखाधड़ी कर अपनी राजनीति चमकाई जा रही है

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। भारतीय किसान संस्था के संस्थापक एवं पूर्व प्रत्याशी अ० गफूर इंजी०, जन अधिकारी हनन एवं भ्रष्टाचार श्रमिक शोषण समिति के मण्डल महामंत्री, मुस्लिम कसगर जाति वेलफेयर सोसाईटी के समाज सेवी अध्यक्ष मु० सलीम कसगर ने लालपुर पुल के पुनः शिलान्यास को लेकर क्षेत्रीय जनता के साथ धोखाधड़ी कर अपनी राजनीति चमकाई जा रही है जनता में पुल के पुनः शिलान्यास को लेकर एक तरफ खुशी का माहौल था दूसरी तरफ मायूसी छाई हुई है, भारतीय किसान संस्था के संस्थापक एवं पूर्व प्रत्याशी अ० गफूर इंजी० ने कहा कि कोसी नदी लालपुर पुल का मामला तीन वर्षों से लगातार अटका चला आ रहा है क्षेत्रीय जनता को लगातार अनेकों प्रकार की परेशानियां उठाना पड़ रही है इस पुल से तहसील टाण्डा के अधिकतर गाँव जिला मुख्यालय से जुड़े हैं पुल की दशा को देखते हुए जनता अपना अन्य रास्ते अपना कर समय एवं धन दोनों की बबार्दी कर अपने अपने गन्तव्य तक पहुचने पर बाध्य होना पड़ता है पुल के निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने को लेकर पूर्व विधान सभा प्रत्याशी द्वारा भी अवगत कराया जा चुका है उप विधान चुनाव के चलते पुल का निर्माण पूरा कराने के लिए लम्बा समय अपना कर खिल्वाड़ किया जा रहा है अस्थाई पुल बनाये जाने के आदेश देकर एक तरफ जनता का दिल जीता जा रहा है दूसरी तरफ पुल की समस्या को लेकर क्षेत्रीय जनता में मायूसी छाई हुई है जन अधिकार हनन एवं भ्रष्टाचार श्रमिक शोषण समिति के मण्डलीय महामंत्री अतीकुरर्हमान सल्मानी कहा कि लगातार भेदभाव की राजनीति के चलते पुल के कार्य को अधर में लटका कर जनता एवं शिक्षा ग्रहण करने वाले विघाथियो को हाई फाई डिग्रीयां हासिल वाले कमजोर वर्ग के छात्रों के पुल ही उनकी समस्याओ का मुददा बना हुआ है नगर के अन्दर आई. टी.आई.व अन्य प्रशिक्षिण संस्थान आदि उपलब्ध नहीं है उनको प्राप्त करने के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ता है वह भी पिछड़ा हुआ है शिक्षा का स्तर भी नीचे की और गिरता चला जा रहा है मुस्लिम कसगर जाति के समाज सेवा अध्यक्ष मु० सलीम कसगर ने कहा कि लालपुर पुल की जटिल समस्या है उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी के द्वारा जो पुल निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने को लेकर घोषणा की गई है उससे क्षेत्रीय जनता को समय के चलते कोई लाभ मिलने वाला नहीं है क्षति ग्रस्त पुल का निर्माण कार्य पूरा कराये जाने के बजाय अधर में लटका हुआ है क्षेत्र का कारोबार भी दुदर्शा को देखते हुए पूरी तरह से चौपट होकर रह गया है जिला मुख्यालय आने जाने में अनेकों प्रकार की कठिनाइया झेलना पड़ती है किसानों को भी समस्याओ के चलते काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है क्षेत्रीय जनता के साथ एक छलावा किया गया है फिल्हाल स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है पुलिस की समस्या को लेकर नगरीय एवं क्षेत्रीय जनता में मायूसी छाई हुई है पुल के पुनः शिलान्यास को लेकर जनता अनेकों प्रकार की चर्चाये करती दिखाई दे रही है शीघ्र ही समस्या का समाधान कराये जाने हेतु प्रदेश के मुखिया मुख्य मंत्री जी से छुटकारा दिलाये जाने की मांग की गई है।

समस्तीपुर हलचल

25 सितंबर को किसानों के भारत बंद की सफलता को लेकर जनसंपर्क अभियान संपन्न

समस्तीपुर। गांव-टोला की बैठक में पर्चा देकर बंद में भाग लेने की अपील की गई। किसान विरोधी काला कानून वापस लेने की मांग पर 25 सितंबर को किसान संगठनों के भारत बंद के आह्वान के मद्देनजर ताजपुर प्रखण्ड में बंद को सफल बनाने को लेकर गुरुवार को अखिल भारतीय किसान महासभा एवं भाकपा माले द्वारा सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान गाँव-टोले में बैठक एवं नुक्कड़ सभा का आयोजन भी किया गया। मौके पर मांगों से संबंधित पर्चे भी बांटे गये। किसान नेता ब्रहमदेव प्रसाद सिंह, शंकर सिंह, बासुदेव राय, राजदेव प्रसाद सिंह, आशिफ होदा, नौशाद तौहिदी, मो० एजाज, प्रभात रंजन गुप्ता, मनोज कुमार सिंह, भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेन्द्र प्रसाद सिंह आदि ने अभियान का नेतृत्व किया. 25 सितंबर को 10 बजे गांधी चौक से निकाले जाने वाले बंदी जुलूस में भाग लेकर सफल बनाने की अपील नेताओं ने ताजपुरवासियों से की गई।

पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र महिसारी शाखा का शाखा प्रबंधक दलसिंहसराय ने किया फीता काटकर शुभारंभ

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के उजियारपुर प्रखंड अंतर्गत महिसारी पंचायत के महावीर चौक पर बुधवार को पंजाब नेशनल बैंक का ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन शाखा प्रबंधक दलसिंहसराय मनोज कुमार चौधरी ने फीता काटकर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 1894 से यह बैंक आप सब की सेवा में है अब ग्राहक सेवा केंद्र खुलने से ग्राहक को दुर दराज जाने की जरूरत नहीं होगी गावं का विकास तेजी से होगी उन्होंने यह भी बताया कि हमारे इस ग्राहक सेवा केंद्र से विभिन्न तरह का लोन भी ग्राहकों को प्रदान किया जाएगा वहीं मौके पर सी एस पी संचालक अरविंद कुमार राय, अर्जुन सहनी, डा मनोज कुमार राय के साथ दर्जन भर ग्रामीण मौजूद थे।

खानपुरः कार्यकर्ता त्रिपुरारी झा के नेतृत्व में, कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले एक दिवसीय धरना दिया गया

खानपुर। खानपुर प्रखंड में 25 सूत्री मांगों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता त्रिपुरारी झा के नेतृत्व में, कॉलेज निर्माण संघर्ष समिति के बैनर तले एक दिवसीय धरना दिया गया। अध्यक्षता करते हुए त्रिपुरारी झा ने शंख बजाकर धरना का शुभारंभ किया और कहा कि खानपुर की धरती अभी भी विकास से कोसों दूर है शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क का यहां घोर अभाव है, प्रखंड में डिग्री कॉलेज की स्थापना, बालिका उच्च विद्यालय की स्थापना, थाना में अग्निशमन वाहन की व्यवस्था की जाए, खेड़ी से लेकर रजवाड़ा बांध तक बांध का चौड़ीकरण, विद्यालयों में चार दिवारी व सौंदर्यीकरण, खानपुर बाजार व ब्लॉक जाने वाली जर्जर मार्ग को अति शीघ्र बनाए जाए, बिशनपुर आभी में टूटी हुई पुल को बनाए जाए, राशन कार्ड के लिए प्रत्येक पंचायत में कैंप लगाया जाए, भूमि संबंधित कार्यों का निष्पादन जल्द हो, सरकारी कार्यालयों में आम जनमानस के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, प्रखंड क्षेत्र में पुस्तकालय की व्यवस्था, स्टेडियम की व्यवस्था, पार्क की व्यवस्था, वृद्धा पेंशन से जुड़ी समस्या के लिए कैंप लगा जाए प्रत्येक पंचायत में, संचालन श्याम मिश्रा ने किया, मुख्य वक्ता श्यामाकान्त झा, प्रवीण झा, शुभम कुमार चौधरी, प्रभात मिश्रा, ओम प्रकाश, अंकित कुशवाहा, प्रकाश कुमार, ननकी महतो, मोहम्मद सद्दाम, राजाराम, अवनीश कुमार, अनुज कुमार आदि ने अपनी बातों को रखा त्रिपुरारी झा ने शंखनाद करके इसका शुरूआत किया और कहा कि मांग पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे धरना स्थल पर बीडीओ गौड़ी कुमारी ने धरना स्थल पर लोगों पर वार्ता कर आश्वासन दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चेहरे की डेड स्किन को मिनटों के दूर करेंगे ये टिप्स

धूप में बाहर निकलने और सही तरह से शरीर की देखभाल न करने से त्वचा की कोशिकाएं डैमज होने लगती है। शरीर के जिस हिस्से की स्किन डैड हो जाती है, वह जगह काली पड़ जाती है। इससे चेहरे की सुंदरता पर दाग लगता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग मॉश्चरराइजर और क्लींजर का इस्तेमाल करते हैं। इन से कई बार त्वचा ठीक होने की बजाए खराब होने लगती है क्योंकि कैमिकल युक्त ये प्रॉडक्ट कई बार स्किन पर हानिकारक प्रभाव भी डालते हैं। ऐसे में आप घर में चीजों का इस्तेमाल करके भी डैड स्किन यानि मृत कोशिकाओं को हटा सकते हैं।

1. एवोकाडो, ऑलिव ऑयल,शहद

डैड स्किन को हटाने से लिए एवोकोडो के बीजों का उपयोग कर सकते हैं। यह स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए 1 चम्मच ऑलिव ऑयल, शहद और एवोकाडो के बीजों का पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे, हाथों, गर्दन पर 10 मिनट लिए लगाएं।

2. बेसन, दही और गुलाब जल

ऑयली स्किन के लिए बेसन बहुत फायदेमंद है। इसको लगाने से मुंहासे, ब्लैक हैड जैसी समस्याएं खत्म हो जाती है। इसके लिए 2 बड़े चम्मच बेसन, पानी, दही या गुलाब जल डालकर अच्छे से मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर धो लें। इससे चेहरे पर निखार आएगा।

3. बादाम

डैड स्किन सेल्स हटाने के लिए बादाम रामबाण है। रात को 10 बादाम पानी या दूध में भिगोने के लिए रख दें। सुबहे इसके छिलके उतार कर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। सूखने पर गुनगुने पानी से धो लें। हफ्तें में दो बार लगाने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

4. चीनी और जैतून का तेल

शुगर और जैतून के तेल का इस्तेमाल मॉइस्चराइजर के रूप में भी कर सकते हैं। इसको लगाने से दो फायदे होते है। एक तो डैड स्किन हटती है और दूसरा डार्क होंठों से छुटकारा मिलता है। इस मिश्रण को तैयार करने के लिए 2 से 3 चम्मच जैतून का तेल, शहद के 2 से 3 चम्मच, थोड़ा सा नींबू का रस और शुगर मिलाएं। कुछ मिनट तक लगाए रहने के बाद इसे गुनगुने पानी से धो लीजिए। आप एक हफ्ते में एक बार या दो बार इसका उपयोग करने से चेहरे पर निखार आने लगेगा।

धनिया पाउडर से करें इन 7 बड़ी बीमारियों का इलाज

भारतीय रसोई में धनिया पाउडर का इस्तेमाल खाने में स्वाद और खूशबू बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसके बिना खाने का स्वाद अधूरा रहता है लेकिन क्या आप जानते है सूखा धनिया सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। फाइबर, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर धनिया पाउडर की तासिर ठंडी होने के कारण यह पेट इंफेक्शन, एसिडिटी और शरीर की जलन जैसी समस्याओं को दूर करती है। इसके अलावा भी इसका सेवन बवासीर, यूरिन इंफेक्शन, ब्लड शुगर और पेट की जलन को दूर करता है। इसी कारण इसे यूरोप के कई देशों में एंटी डायबीटिक पौधे के रूप में भी जाना जाता है। तो आइए जानते है भारतीय मसाले के रूप में इस्तेमाल होने वाले धनिया पाउडर के चमत्कारी गुणों के बारे में।

1. पाचन समस्याएं

धनिया पाउडर में चुटकीभर हींग और काला नमक डालकर पानी के साथ लें। इसका सेवन कब्ज, उल्टी, दस्त, गैस, अपच और पेट दर्द को दूर करता है। आप इसका इस्तेमाल चाय बनाते समय भी कर सकते हैं।

2. सेमोलिना बैक्टीरिया से बचाव

इस बैक्टीरिया के कारण फूड पॉइजनिंग जैसे घातक बीमारियां हो जाती है। खाने में थोड़े से धनिया पाउडर का इस्तेमाल आपके शरीर को इस बैक्टीरिया से बचाता है।

3. ब्लड शुगर

धनिया पाउडर शरीर में शुगर स्तर को कम करके इंसुलिन की मात्रा बढ़ाता है। इसी वजह से शरीर में ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है। इसलिए अपने भोजन में इसका इस्तेमाल जरूर करें।

4. पेशाब ना आना

सुखा धनिया, मिश्री, आंवला, गोखारो और पुनर्न्वा जड़ को बराबर मात्रा में लेकर बारिक पीस लें। सुबह-शाम इस चूर्ण का 1 चम्मच सेवन आपकी पेशाब न आने की समस्या को दूर करता है।

5. पेट की जलन

धनिया पाउडर में जीरा, बेलगिरी और नागरमौठा को सामान मात्रा में पीसकर मिलाएं। इस चूर्ण को 1 चम्मच पानी के ले। इससे पेट की जलन और दर्द गायब हो जाएगा।

6. संक्रमण रोग

रोजाना इसका इस्तेमाल संक्रमण रोगों से बचाने में मदद करता है। इसे खाने से पेट में मौजूद कीड़ें और बैक्टीरिया मर जाते है और इससे पेट को ठंडक भी मिलती है।

7. कमजोरी

रात को धनिया तथा आंवला पाउडर को 10-10 ग्राम पानी में भिगो दें। सुबह इसे पीने पर कमजोरी और चक्कर आने की प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों को इस तकनीक के जरिए मिलेगा फायदा

ब्रेन स्ट्रॉक एक घातक बीमारी है। आजकल 10 में से 6 व्यक्ति कभी न कभी स्ट्रोक की समस्या का शिकार हो ही जाते हैं। ज्यादातर बढ़ती उम्र के लोगों में इस तरह की परेशानी देखने को मिलती है। जिस कारण कई बार इंसान की मौत भी हो जाती है। ब्रेन स्ट्रॉक आने के बाद मरीज ज्यादातर अपने बोलने और सुनने की क्षमता को गवा देता है। जिंदगी जीने के लिए उसे दूसरे लोगों का सहारा लेने की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा बात करने में परेशानी,शरीर का एक हिस्सा सुन्न पड़ जाना,मांसपेशियों का कमजोर होना आदि कई तरह की परेशानियां होती हैं। हाल ही में हुए एक तकनीकी अध्ययन में ब्रेन स्ट्रॉक के मरीजों के लिए बड़ी राहत की बात सामने आई है। एक

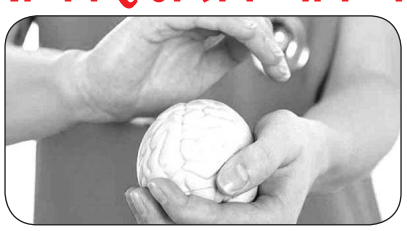

'explosive evolution' द्वारा चिकित्सकों ने न्यूनतम इनवेसिव एंडोवास्कुलर तकनीक का उपयोग करना शुरू कर दिया है। जिससे इस स्ट्रॉक के शिकार रोगी को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। डॉक्टरों के अनुसार एंडोवास्कुलर तकनीक में ओपन सर्जरी की आवश्यकता नही होगी। चिकित्सक कैथेटर्स यानि पतली ट्यूब के जरिए इसका इलाज ज्यादा आसानी से कर सकेंगे। शोधकताओं के मुताबिक, यह इलाज 10 से 15 साल पहले की तुलना में दो से तीन गुना बेहतर है। इससे स्ट्रोक वाले मरीजों का सबसे बड़ा लाभ होने वाला है।

अगर आपको भी है एडल्ट फिल्म देखने की लत तो हो जाए सावधान!

बदलते लाइफस्टाइल के साथ इंटरनेट लोगों के जीवन का अहम हिस्सा बन चुका हैं। आजकल के समय में इंटरनेट का यूज इतना बढ़ गया है कि युवा पीढ़ी कोई भी काम करने के लिए इंटरनेट का ही सहारा लेती है। आजकल लोग खेल-कूद में समय बिताने की बजाए सोशल मीडिया और इंटरनेट पर बिजी रहते है। इंटरनेट क्रेज बड़ों से लेकर बच्चों तक में खूब दिखाई देता है, जिसका बुरा असर सेहत के साथ-साथ लाइफ पर भी पड़ता जा रहा है। कुछ लोग तो अपनी बोरियत को दूर करने के लिए चैटिंग के साथ-साथ एडल्ट फिल्में भी देखते है, जोकि सेहत के लिए हानिकारक है। एक शोध के अनुसार आज के इस दौर में लगभग 70% लोग ७७७ विडियोज देखते हैं। ऐसी फिल्में देखना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। आज हम आपको यही बताएंगे कि किस तरह आपकी यह आदत सेहत को नुकसान पुंचा सकती हैं।

शारीरक नुक्सान

कुछ लोग तनाव को दूर करने के लिए इन फिल्मों को देखना पसंद करते हैं लेकिन यह सेहत के लिए खतरनाक है। एडल्ट फिल्में देखने से आपके हार्मोन उतेजित होते है, जिससे छुटकारा पाने के लिए वो हस्तमैथुन करते हैं। ऐसा करने से शरीर में खून की कमी होने लगती है, जोकि कई बीमारियों

का कारण बनती है।

मानसिक नुकसान

ऐसी वीडियों को देखने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। अधिक एडल्ट फिल्म देखने से मस्तिष्क पर दबाव पड़ता है, जिससे यादाश्त कमजोर होने लगती है। इसके कारण आप छोटी-छोटी बातों को धीरे-धीरे भूलने लगते है और कुछ समय बाद आपके भूलने की यह समस्या अल्जाइमर का रूप धारण कर लेती है।

मोबाइल से जुड़े नुक्सान

आप इन वीडियों को देखने के लिए जब साइड्स पर क्लिक करते तो वो दूसरी साईट पर रीडायरेक्ट हो जाते हैं। इसके कारण वो साइट्स आपके मोबाइल को हैक करके आपकी पर्सनल डिलेट का भी पता लगा सकते है। इससे आपके फोन में मौजूद तस्वीरें और वीडियों भी चोरी हो सकते है। ऐसी वेब साइट्स ब्राउजर पर सर्फ करना आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है।

तनाव बढ़ना

कुछ लोगों को लगता है कि ऐसी वीडियों देखने से तनाव कम होता है। यह बिल्कुल गलत है। ऐसी वीडियों अधिक देखने से आपका ध्यान हर वक्त आप उन्हीं चाजों के बारे में सोचते है। ऐसे में आपका तनाव कम होने की बजाए बढ़ जाता है।

बैचेनी महसूस होना

एक शोध के अनुसार ऐसी वीडियों को अधिक देखने से व्यक्ति के दिमाग के साथ-साथ शरीर पर भी बुरा असर पड़ता है। इसके कारण आपको बैचेनी महसूस होने लगती है। इसके अलावा इससे अनुद्रा की समस्या भी हो सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...प्राची देसाई के फॉलोअर्स से की अभिषेक बच्चन के फॉलोअर्स से तुलना

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन ज्यादातर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स का शिकार होते हैं। नेपोटिज्म को लेकर कई लोग अभिषेक बच्चन पर निशाना साध चुके हैं। हालांकि, वह हमेशा अपना पक्ष रखते हुए उन्हें तहजीब से जवाब देते हैं। हाल ही में अभिषेक बच्चन अपने फॉलोअर्स की संख्या को लेकर ट्रोल हुए। एक शख्स ने अभिषेक बच्चन और प्राची देसाई के ट्विटर फॉलोअर्स की तुलना की। यूजर ने लिखा कि समय आ गया है कि हम आम लोग टैलेंट को सपोर्ट करें। ऐसे में अपना स्टेटस बनाए रखते हुए अभिषेक बच्चन ने ट्रोल को जवाब दिया और कहा कि प्राची का टैलेंट उनके काम में साफ झलकता है न कि सोशल मीडिया फॉलोअर्स से। अभिषेक बच्चन ने लिखा, मिस्टर सिंघल मैं आपको यह आश्वासन देता हूं कि सोशल मीडिया पर आपके जितने फॉलोअर्स हैं वह किसी टैलेंट या पॉप्युलैरिटी की वजह से नहीं है। मेरी दोस्त प्राची देसाई काफी टैलेंटेड एक्टर हैं। उन्हें एंडॉर्समेंट के लिए सोशल मीडिया की जरूरत नहीं। उनका काम बोलता है।

शर्लिन चोपड़ा ने दिया सनसनीखेज बयान

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह की मौत के बाद से रिया चक्रवर्ती से हुई पूछताछ में लगातार कई बड़े खुलासे हो रहे हैं। वहीं अब बॉलीवुड के साथ-साथ खेल जगत पर भी कोकीन और ड्रग्स लेने की बात सामने आ रही है। शर्लिन चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि बड़े क्रिकेटर्स और सुपरस्टार्स की बीवियां ड्रग्स लेती हैं। अभिनेत्री शर्लिन चोपड़ा बॉलीवुड में काफी कम फिल्मों में नजर आई हैं, लेकिन अक्सर मीडिया की सुर्खियों बटोरती रहती हैं। शर्लिन अपने विवादित बयानों और बोल्ड फोटोशूट को लेकर हमेशा चर्चा में बनी रहती है। इसी वजह से वह ज्यादातर ट्रोलर्स के निशाने पर भी रहती है। शर्लिन चोपड़ा ने फिल्म इंडस्ट्री में तेजी से फैल रहे ड्रग्स के मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि एनसीबी बहुत अच्छा काम कर रही है। इसके साथ ही शर्लिन चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि बड़े क्रिकेटर्स और सुपरस्टार्स की बीवियां ड्रग्स लेती हैं।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D.JALAN COLLEGE
OF SCIENCE, COMMERCE & ARTS
Estd. : 2011
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
AFFILATED TO UNIVERSITY OF MUMBAI & M.S. BOARD, PUNE
A Sister Concern of S.J.PODDAR ACADEMY (ICSE) • Linguistic MARWARI Minority College

COURSES OFFERED

JUNIOR COLLEGE
UDISE Code No. : 27230600241

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. SCIENCE : General & Science with I.T
COLLEGE CODE : MU248SPE

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. COMMERCE : General & Commerce with I.T
COLLEGE CODE : MU248CPE / MU248CFE

DEGREE COLLEGE

SCIENCE : CBZ (Chemistry, Botany & Zoology)
COMMERCE : Regular (Optional Subject : I.T.)
ARTS : Psychology, Economics & English
COLLEGE CODE : 527

OUR COLLEGE HELPS THE STUDENTS IN

- One-on-One Mentoring
- Improving Communication Skills
- Confidence Building
- Personality Development
- Updating their Knowledge in Latest Technology
- Successfully completing industry-Guided Certificate Programs
- Starting their own venture
- Internships and placements

Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
022-40476030 gdjalancollege@gmail.com
www.gdjalan.edu.in